इंडिया टीवी .in
www.indiatv.in

शालिग्राम भगवान की आरती

शालिग्राम सुनो विनती मेरी।
यह वरदान दयाकर पाऊं।।

प्रातः समय उठी मंजन करके।
प्रेम सहित स्नान कराऊं।।
चन्दन धूप दीप तुलसीदल।
वरण - वरण के पुष्प चढ़ाऊं।।

तुम्हरे सामने नृत्य करूं नित।
प्रभु घण्टा शंख मृदंग बजाऊं।।
चरण धोय चरणामृत लेकर।
कुटुम्ब सहित बैकुण्ठ सिधारूं।।

जो कुछ रूखा - सूखा घर में।
भोग लगाकर भोजन पाऊं।।
मन बचन कर्म से पाप किये।
जो परिक्रमा के साथ बहाऊं।।

ऐसी कृपा करो मुझ पर।
जम के द्वारे जाने न पाऊं।।
माधोदास की विनती यही है।
हरि दासन को दास कहाऊं।।

इंडिया टीवी .in
www.indiatv.in